आज बेटी जनक की

आज बेटी जनक की अवध को चली
मां की ममता चली घर की लक्ष्मी चली ॥
आई बेटी....

कौन कहता है ज्ञानी जनक हैं बड़े,
प्यारी बेटी के आँसू लिये हैं खड़े,
मां सुनैना के आँखों की पुतली चली,
आज बेटी जनक..... ...

तोता मैना पुकारे सिया ओ सिया,
बन्द पिंजरे में क्यूँ तूने मुझको किया,
आज उड़ जा तहन भी अवध की गली,
आज बेटी जनक.....

तोता रोओ नहीं न रोओ सरका,
आँसुओ से भरा है जीवन नारी का,
कह देना पिता की दुलारी चली
आज बेटी जनक.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6272/title/aaj-beti-janak-ki-awath-ko-chali-maa-ki-mamta-chali-ghar-ki-laksmi-chali

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |